भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-3799

उत्तर देने की तारीख-24/03/2025

प्रधानमंत्री युवा उद्यमिता विकास अभियान (पीएम-युवा) योजना 2.0

†3799. श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) प्रधानमंत्री युवा उद्यमिता विकास अभियानन (पीएम-युवा) योजना 2.0 के अंतर्गत क्या उपाय किए जा रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस पहल के लिए चुने गए युवा लेखकों को संसाधनों और मार्गदर्शन के मामले में पर्याप्त सहायता मिले;
(ख) क्या सरकार की देशभर में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के राष्ट्रीय मिशन के हिस्से के रूप मे क्षेत्रीय भाषाओं में पुस्तकों के प्रकाशन को और अधिक प्रोत्साहित करने की योजना है; और
(ग) यह सुनिश्चित करने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं कि प्रधानमंत्री युवा योजना 2.0 के अंतर्गत जारी की गई पुस्तकें कई भाषाओं में उपलब्ध हों ताकि उन्हें विविध पाठकों के लिए अधिक सुलभ बनाया जा सके?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 युवा-मन को सशक्त बनाने और एक अधिगम पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करती है जिसके माध्यम से युवा पाठकों और शिक्षार्थियों को भविष्य की नेतृत्वकारी भूमिकाओं के लिए तैयार किया जाता है। इस पहल के एक भाग के रूप में युवा लेखकों को उनके लेखन कौशल को विकसित करने में सहायता प्रदान करने हेतु दिनांक 2 अक्टूबर 2022 को शुरू की गई पीएम युवा 2.0 योजना को तैयार किया गया था। इस योजना में दो मुख्य कार्यक्रम, छात्रवृत्ति और मेंटरशिप शामिल हैं। छात्रवृत्ति कार्यक्रम के तहत, प्रत्येक चयनित लेखक को छह माह के लिए प्रति माह 50,000 रुपये की समेकित धनराशि प्राप्त हुई, जो कुल मिलाकर 3 लाख रुपये थी। इसके अतिरिक्त, मेंटरशिप कार्यक्रम के

समापन के बाद अपनी पुस्तकों के सफल प्रकाशन पर लेखक 10% रॉयल्टी के हकदार होते हैं। मेंटरशिप पहल प्रत्येक लेखक को एक समर्पित मेंटर के साथ जोड़ती है, जिनके पास व्यापक शैक्षिक और भाषा संबंधी विशेषज्ञता होती है, और वे उन्हें छह महीने की अवधि तक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। इस अवधि के दौरान, चयनित अभ्यर्थियों के लिए सात ऑनलाइन मास्टर कक्षाएं आयोजित की गईं, जिनमें प्रतिष्ठित लेखक, शिक्षाविद और विद्वान शामिल हुए। इसके अतिरिक्त, लेखकों को साहित्यिक उत्सवों, पुस्तक मेलों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों सहित विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में भागीदारी के माध्यम से अपने ज्ञान को बढ़ाने और अपने कौशल को निखारने का अवसर मिला।

(ख) पीएम-युवा योजना का प्राथमिक लक्ष्य सभी आधिकारिक भारतीय भाषाओं में मौलिक लेखन को प्रोत्साहित करना है। पीएम-युवा 1.0 के तहत 21 भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में 73 पुस्तकें प्रकाशित की गईं, जबकि पीएम-युवा 2.0 के तहत 16 भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में 41 पुस्तकें प्रकाशित की गईं।

(ग) इस योजना का उद्देश्य भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी दोनों में निपुण लेखकों का एक समूह तैयार करना है, ताकि उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारतीय साहित्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए सांस्कृतिक राजदूत के रूप में तैयार किया जा सके। पीएम-युवा 2.0 के तहत प्रकाशित पुस्तकों को विभिन्न चैनलों, पत्रिकाओं और समाचार पत्रों में विज्ञापन के साथ-साथ राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के समाचार पत्रों और पत्रिका के माध्यम से प्रचारित किया जाता है। साथ ही साथ, इन्हें कई सोशल मीडिया मंचों पर प्रदर्शित किया जाता है। इन पुस्तकों को पुस्तक मेलों, मोबाइल पुस्तक प्रदर्शनियों और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक आयोजनों में भी प्रदर्शित किया जाता है और उनकी बिक्री की जाती है।

*****